DATE 7.10.24
PAGE No. 1

टैंडर हार्ट हाई स्कूल, सैक्टर ३३-बी, चण्डीगढ़

कक्षा- आठवीं अध्यापिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-9 'रानी की समाधि पर')
शेष भाग-

पुस्तक- नवतरंग-8

प्यारे बच्चो! सुप्रभात।

आज हम पाठ-9 'रानी की समाधि पर' कविता को पढ़ेंगे। पिछले सप्ताह हमने इस कविता के दो काव्य-खंड पढ़ लिए थे। अब हम शेष भाग पढ़ेंगे।

बढ़ जाता है मान वीर का, रण में बलि होने से।
मूल्यवती होती सोने की भस्म, यथा सोने से ।।
रानी से भी अधिक हमें अब, यह समाधि है प्यारी।
यहाँ निहित है स्वतंत्रता की, आशा की चिनगारी ।।

कविता का भावार्थ पढ़ने से पहले हम इन पंक्तियों में आए कुछ कठिन शब्दों के अर्थ जान लेते हैं:-

शब्दार्थ:- (क) मान- प्रतिष्ठा, सम्मान (ख) रण- युद्ध (ग) बलि- बलिदान (घ) मूल्यवती- मूल्यवान, कीमती (ङ) भस्म- राख (च) यथा- जैसे (छ) निहित- छिपी हुई, स्थापित।

भावार्थ:-

प्रस्तुत पंक्तियों में कवयित्री कहती हैं कि देश की रक्षा और स्वतंत्रता के लिए बलिदान या स्वयं को न्योछावर कर देने से एक वीर का सम्मान बढ़ जाता है। रानी लक्ष्मीबाई भी युद्ध-भूमि में अंग्रेज़ों के साथ लड़ते-लड़ते वीरगति को प्राप्त हुई। युद्ध-भूमि में वीरगति को प्राप्त होने के कारण रानी लक्ष्मी बाई का सम्मान उसी प्रकार और बढ़ गया जैसे- सोने की भस्म सोने से अधिक मूल्यवान होती है। यही कारण

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner

7.10.24

DATE
PAGE No. 2

कक्षा- आठवीं अध्यापिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-9 'रानी की समाधि पर')

है कि अब यह रानी लक्ष्मीबाई की समाधि हमें रानी से भी अधिक प्यारी है। इस समाधि में स्वतंत्रता प्राप्ति की आशा की चिंगारी छिपी हुई है जो चिंगारी से आग का रूप लेकर पूरे भारत में फैल गई जिसने समस्त भारत को पराधीनता से मुक्त होने के लिए प्रेरणा दी।

बच्चो! अब हम कविता के अंतिम काव्य-खंड को पढ़ेंगे। सब बच्चे उच्च स्वर में लयबद्ध तरीके से कविता पढ़ेंगे। इससे कविता कंठस्थ हो जाती है।

बुंदेले हरबोलों के मुख हमने सुनी कहानी।
खूब लड़ी मरदानी वह थी, झाँसी वाली रानी॥
यह समाधि यह चिर समाधि है, झाँसी की रानी की।
अंतिम लीला स्थली यही है, लक्ष्मी मरदानी की॥

भावार्थ:- इन पंक्तियों में कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान कहती हैं कि बुंदेल खण्ड के हर निवासी के मुख से यह गाथा हमने सुनी थी कि झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई वीर पुरुषों की भाँति बहुत पराक्रम के साथ लड़ीं और अंत में वीरगति को प्राप्त हुईं। यह समाधि रानी लक्ष्मीबाई की हमेशा विद्यमान रहने वाली समाधि है। साथ ही यह उनकी अन्तिम कार्यस्थली, क्रीड़ास्थली भी है। यह स्मारक स्थल हमें उनकी हमेशा स्फूर्तियों का स्मरण कराता रहेगा। हम सब उन्हें सादर नमन करते हैं और करते रहेंगे। हरबोले, राजाओं की वीरता की गाथाएँ गा-गाकर सबको सुनाते आए हैं।

बच्चो! यह कविता हमने पूरी पढ़ ली है। अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूँगी। तीन मिनट के अंतराल में इन प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner

DATE 7.10.24
PAGE No 3

कक्षा- आठवीं अध्यापिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-9 'रानी की समाधि पर')

प्रश्न-1 एक वीर पुरुष का मान कब और कैसे बढ़ जाता है?
प्रश्न-2 रानी लक्ष्मीबाई की समाधि हमें प्रिय क्यों लगती है? इस समाधि में क्या छिपा है?
प्रश्न-3 रानी लक्ष्मीबाई की वीरता की गाथा हमने किसके मुख से सुनी है?
प्रश्न-4 'रण' और 'भस्म' का क्या अर्थ है? लिखो।

अब बच्चो आपके कालांश का समय समाप्त हुआ। पूछे गए प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं

उत्तर-1 अपने देश की आन, बान, शान के लिए बहादुरी से युद्ध क्षेत्र में शत्रुओं का सामना करते-करते आत्माहुति अर्थात् आत्म बलिदान कर देने से एक वीर पुरुष का मान बढ़ जाता है।
उत्तर-2. रानी लक्ष्मीबाई की समाधि हमें इसलिए प्रिय लगती है क्योंकि इस समाधि में स्वतंत्रता संग्राम की प्रथम चिंगारी छिपी हुई है।
उत्तर-3 रानी लक्ष्मीबाई की वीरता की गाथा हमने बुंदेलखंड के हरबोलों अर्थात् ऐतिहासिक गाथाएँ गाने वालों के मुख से सुनी हैं।
उत्तर-4 'रण' का अर्थ है युद्ध और 'भस्म' राख को कहते हैं।

बच्चो! यह पाठ यहाँ समाप्त हुआ। आशा है सबको यह पाठ समझ में आ गया होगा। अब मैं गृहकार्य करने को दे रही हूँ।

गृहकार्य:- सब बच्चे कराए गए कार्य को अपनी हिंदी की अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे व याद करेंगे। प्रश्नोत्तर व शब्दार्थ को भी लिखेंगे व याद करेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner